**क्षेत्रीय नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का एक दिवसीय भ्रमण**

वन,पर्यावरण जागरूकता, "प्रकृति" कार्यक्रम

**वन उत्पादकता संस्थान,रांची**

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून तथा नवोदय विद्यालय समिति द्वारा हस्ताक्षरित समझौते ज्ञापन (Memorandum of Understanding)के अनुपालन में वन उत्पादकता संस्थान रांची में दिनांक 21.11.2018 को जवाहर नवोदय विद्यालय के पटना प्रक्षेत्र से आए 110 विद्यार्थियों एवं 20 शिक्षकों को संस्थान का भ्रमण कराया गया|

इससे पूर्व संस्थान के अनुसंधान समुह समन्वयक डा.योगेश्वर मिश्रा को दिनांक 19.11.2018 को जवाहर नवोदय विद्यालय, बी.आई.टी. मेसरा में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया जिसमें डा. मिश्रा ने भा.वा.अ.एवं शि.प. देहरादून एवं नवोदय विद्यालय समिति द्वारा निर्धारित "प्रकृति" कार्यक्रम के रूप रेखा को रेखांकित किया गया| विविध कार्यक्रमों के द्वारा शिक्षकों एव विद्यार्थियों को पर्यावरण में हो रहे नुकसानो से अवगत कराना एवं इससे वचाव के उपाय हेतु दुरागामी कार्यक्रम की आवश्यकता पर बल दिया गया है| इसमें पर्यावरण चेतना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी आवश्यकता बताई गयी| नवोदय विद्यालय मेसरा रांची के प्राचार्य डा.डी.के.मोदी द्वारा विद्यालय परिसर में खाली जमीन की प्रचुर उपलब्धता बताई जिसका प्रयोग पौधशाला विकसित करने एवं उपयुक्त प्रजाति के पौधरोपण के लिए भविष्य में दिया जा सकता है,जो कि "प्रकृति" कार्यक्रम का महत्वपूर्ण विन्दु है|

दिनांक 21.11.2018 को वन उत्पादकता संस्थान रांची में आए भ्रमणकारी दल का संस्थान के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी ने स्वागत किया| डा.कुलकर्णी ने "प्रकृति" कार्यक्रम के महत्व के वारे में अवगत कराया एवं इसकी सफलता के लिए नवोदय विद्यालय मेसरा को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया|

संस्थान के सभी विषय विशेषज्ञों को इस कार्यक्रम अपनी सहभागिता करने का आश्वासन देते हुए निदेशक ने कहा कि पर्यावर्णीय सुरक्षा एक महती आवश्यकता है और इसकी बागडोर आगे आनेवाले पीढ़ियों को सौपीं जानि चाहिए जिसके लिए उनका प्रशिक्षित होना अति आवश्यक है| यह कार्यक्रम वहुत ही सामायिक है जिसका लाभ नवोदय विद्यालय समिति के सभी शिक्षण कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को उठाना चाहिए जिससे छोटे स्तर पर ही इन समस्याओं की चुनोतियों को स्वीकार किया जा सके|

संस्थान के समुह समन्वयक अनुसंधान,डा.योगेश्वर मिश्रा ने संस्थान में चल रही अनुसंधान गति विधियों से अवगत कराया एवं "प्रकृति" कार्यक्रम विषय पर विस्तार से व्याख्यान प्रस्तुत किया | संस्थान के उप वनसंरक्षक श्री पी.सी.लकरा ने वन जीव प्राणी पर चलचित्र के माध्यम से वन एवं पर्यावरण पर प्रभाव से अवगत कराया| साथ ही साथ लाख उत्पादन से सबंधित चलचित्र भी दिखाया गया| पूर्वी क्षेत्र के बिहार,पश्चिम बंगाल एवं झारखण्ड राज्य के नवोदय विद्यालय के सहायक उपायुक्त Mr. G. Mallikarjunaa Babu ने वन पर्यावरण से सबंधित विषयों पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के वीच अपना व्याख्यान दिया| छात्रों एवं शिक्षकों को संस्थान के प्रयोगात्मक क्षेत्र एवं बिभिन्न प्रयोगशालाएं का भी भ्रमण कराया गया| छात्रों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का संतोष जनक उतर श्री एस, एन वैद्य एवं प्रयोगशाला के प्रभारियों द्वारा दिया गया| श्री एस. एन. वैद्य,श्री एन. आलम, श्री सतीश कुमार, श्री बसंत कुमार, एवं सहयोगीदलों ने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया| बिहार, पश्चिम बंगाल एवं झारखण्ड राज्य के चौरासी जिले से नवोदय विद्यालय के लगभग 110 विद्यार्थी शिक्षक एवं अधिकारीगण ने वन,पर्यावरण जागरूकता, "प्रकृति"कार्यक्रम में भाग लिया| इस कार्यक्रम का संचालन संस्थान के अनुसंधान समुह समन्वयक डा. योगेश्वर मिश्रा द्वारा किया गया|

Introduction On Prakriti Programme by Dr. Togeshwar Mishra ,GCR,IFP,Ranchi

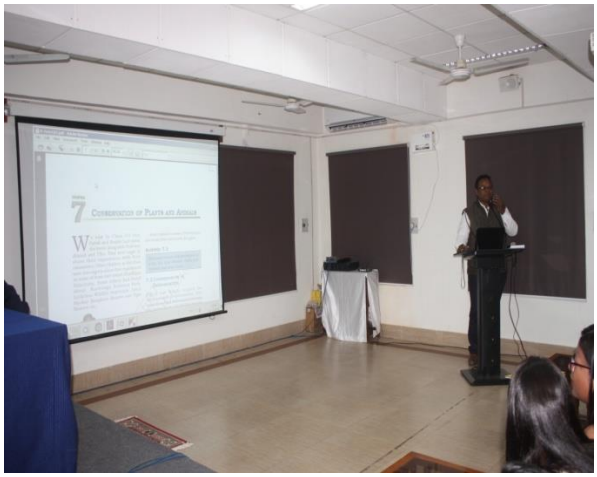

Introduction on Wild life and Enviornment By Sri P.Lakra ,Dy. C.F.,IFP, Ranchi

Lecture on Environment by Assistant Commission Navodya vidayalay of eastern region  Eastern Region

Students and Teachers of NVS  Eastern region visit of Soil lab of IFP, Ranchi

Nature walk by the Students, Teachers and officers of NVS

Field visit Bamboosetum, Mangrove, Nursery and distillation unit site